[Shri P. Rajagopal Naidu]

steps to arrest this 'brain drain' in the field of medicine. And, ways and means should be found to attaract medical practitioners to semi-urban and rural areas.

In this direction , the schemes announced recently by 24 major banks of the country to provide financial assistance to medical practioners wishing to serve in rural areas are most welcome. These banks should provide special assistance to doctors returning from abroad to enable them to set up clinics of their own with suitable equipment. All these scheme should be widely publicised in India and abroad so that quite a good number of doctors may take advantage of them.

(xi) ALLEGED REDUCTION IN COAL SUPPLY TO ROSHAN SIZING MILLS AND OTHER MILLS IN BURHAMPUR

श्री शिवकुमार सिंह ठाकुर (खंडवा) : उपाध्यक्ष महोदय, दी इंडियन काटन मिल्स फेडरेशन बम्बई द्वारा बुरहानपुर की रोशन सायजिंग मिल सहित अन्य सायजिंग फैक्ट्रीज के कोयले की मासिक कोटे में 3-3 वैगन के बदले 1-1 वैगन कर दी है । इससे 28 सायजिंग बंद हो गई हैं । 18,000 पावरलूम भी इससे प्रभावित हो रहे हैं । बुरहानपुर में बेरोजगारी फैल रही है अत: मंत्री जी शीघ्र आदेश पारित करके पूर्व में दिए जा रहे कोयले के मासिक कोटे को पुन: चालू रखें ।

(xii) ALLEGED DEROGATORY REMARKS AGAINST MAHARISHI VALMIKI ON DELHI DOORDARSHAN.

श्री सूरज भान (अम्बाला): उपाध्यक्ष महोदय दिनांक 15-9-81 को देहली बाल्मीकि समाज विकास परिषद् की ओर से दिल्ली दूरदर्शन के स्टेशन निदेशक को पत्र द्वारा लिखा गया कि महर्षि बाल्मीकि जी के जन्म दिवस पर प्रसारित होने वाली वार्ता अथवा कार्यक्रमों में महर्षि जी के बारे में अपमानजनक एवं बेबुनियाद शब्दों का प्रयोग न किया जाये परन्तु उसके बावजूद पत्रिका कार्यक्रम के अन्तर्गत दिनांक 12-10-81 को दिल्ली दूरदर्शन पर महर्षि बाल्मीकि जी के प्रति बहुत घिनौनी, द्वेषभरी, असत्य और भ्रांति पैदा करने वाली कहानी पेश की। बहुत से लोगों ने दिल्ली दूरदर्शन के इस कार्यक्रम की निन्दा एवं भर्त्सना की परन्तु बजाय इसके कि दिल्ली दूरदर्शन अपनी इस पहाड़ जैसी गलती के लिये क्षमा मांगता 18 नवम्बर को इसके योगाभ्यास कार्यकार्यक्रम में फिर महर्षि जी के प्रति ऐसी ही घटना 1970 में हुई थी जब भारत सरकार ने महर्षि बाल्मीकि जी के सम्मान में में विशेष डाक टिकट जारी करते हुए ऐसी ही निराधार और नफरत भरी कहानी अपने फोल्डर द्वारा प्रसारित की थी।

मैं इस सदन के द्वारा सूचना एवं प्रसारण मन्त्री से मांग करता हूं कि वह अपने विभाग की इस दुर्भाग्यपूर्ण गलती के लिये पूरे हिन्दू समाज से क्षमा मांगें और जो अधिकारी व कलाकार इस धूरता के लिए जिम्मेदार हैं उनके विरुद्ध कठोर कार्यवाही करें।

(xiii) ALLOTMENT OF FUNDS FOR THE DAIRY DEVELOPMENT PROGRAMME IN BIHAR

प्रो अजित कुमार मेहता (समस्तीपूर): उपाध्यक्ष महोदय, दो विशाल ग्राम्य परियोजनाओं-ऑपरेशन फ्लड प्रथम और ऑपरेशन फ्लड द्वितीय में कुव्यवस्था के कारण सार्वदेशिक स्तर पर सामान्यत: और बिहार में विशेष रूप से दुग्ध उत्पादन में ह्रास हुआ है। बिहार की जनसंख्या लगभग 5.5 करोड़ है और दुधारू भैंसों की संख्या 1.9 करोड़ है, जबकि भारत भर में 24 करोड़ है। फिर भी दूसरे राज्यों की आवंटित राशि की तुलना में इसे ऋण सहअनुदान के तहत बहुत ही छोटी राशि आवंटित होता रही है। ऑपरेशन फ्लड प्रथम में बिहार को केवल 3.18 करोड़ मिला। सारे भारत में लगाये जाने वाले 67 केटल फीट प्लांट में से बिहार को केवल एक मिला है। बिहार परम्परा से पश्चिम बंगाल को दूध की आपूर्ति करता रहा है, किन्तु परियोजना जनित इस असंतुलन के कारण ऊर्जा